Literacy for a Billion

Movie: Saagar
Year: 1985

Song: Chehra hai ya
Lyricist: Javed Akhtar

हो ...
चेहरा है या चाँद खिला है
ज़ुल्फ़ घनेरी शाम है क्या
सागर जैसी आँखोंवाली
ये तो बता तेरा नाम है क्या

चेहरा है या चाँद खिला है
ज़ुल्फ़ घनेरी शाम है क्या
सागर जैसी आँखोंवाली
ये तो बता तेरा नाम है क्या

अरे तू क्या जाने
तेरी ख़ातिर
कितना है बेताब ये दिल
तू क्या जाने
देख रहा है
कैसे कैसे ख़्वाब ये दिल

दिल कहता है
तू है यहाँ तो
जाता लमहा थम जाए
वक़्त का दरिया
बहते बहते
इस मंज़र में जम जाए
तूने दीवाना दिल को बनाया
इस दिल पर इलज़ाम है क्या

सागर जैसी आँखोंवाली
ये तो बता तेरा नाम है क्या

हो ...
आज मैं तुझसे दूर सही और
तू मुझसे अनजान सही
तेरा साथ नहीं पाऊँ तो
ख़ैर तेरा अरमान सही

ला ला ला ...

हो ...
ये अरमाँ है
शोर नहीं हो
ख़ामोशी के मेले हों
इस दुनिया में
कोई नहीं हो
हम दोनों ही अकेले हों

तेरे सपने देख रहा हूँ
और मेरा अब काम है क्या
सागर जैसी आँखोंवाली
ये तो बता तेरा नाम है क्या

चेहरा है या चाँद खिला है
ज़ुल्फ़ घनेरी शाम है क्या
सागर जैसी आँखोंवाली
ये तो बता तेरा नाम है क्या

Literacy for a Billion

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.